रजि. 2199-57 ✻ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ✻ जुलाई-सितम्बर, 2026

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर

वर्ष-71 अंक : 03

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.

Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com

http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की गतिविधियाँ

लाभार्थियों को वितरित किये गये कौशल प्रमाण-पत्र एवं टूल-किट

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ तथा उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के संयुक्त तत्वावधान में राज्य नियोजन संस्थान सभागार, कालाकांकर हाउस, लखनऊ में कौशल प्रमाण पत्र एवं टूल-किट वितरण कार्यक्रम दिनांक 03.08.2026 को आयोजित किया गया। इसमें जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 80 प्रशिक्षार्थियों को कौशल प्रमाण पत्र एवं टूल-किट वितरित किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस., (से.नि), अध्यक्ष, यू.पी.रेरा, अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड तथा जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा अपने सम्बोधन में प्रतिभागियों को अपने कौशल में निखार के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने कहा कि विद्युत कार्य करते समय सुरक्षा उपायों के पालन से आकस्मिक दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सकता है। आज के समय में तकनीकी ज्ञान के साथ कौशल का समन्वय अत्यन्त आवश्यक है। इस अवसर पर यू पी पी सी एल के प्रतिनिधि श्री राधेश्याम, चीफ इंजीनियर भी मौजूद रहे।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं इसकी इकाई जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ भविष्य में भी लाभार्थियों का एन.एस.क्यू.एफ. लेवल-3 एवं उससे उच्च स्तर के प्रमाण पत्रों हेतु मार्गदर्शन एवं सहयोग करती रहेगी। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह प्रमाण पत्र उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.), लखनऊ के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने उपस्थित अतिथियों एवं लाभार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान भविष्य में भी अधिक से अधिक युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहेगा।

कार्यक्रम का संचालन श्री आर.सी. यादव ने किया। इस अवसर पर यूपीपीसीएल के लाभार्थियों के अतिरिक्त इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, जन शिक्षण संस्थान के अनुदेशक ई. भीमसेन, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम मिश्रा, लेखाकार श्री आदित्य मिश्रा तथा फील्ड असिस्टेंट श्री राघवेन्द्र गुप्ता सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

80वें स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन

15 अगस्त, 2026 को 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मुख्य प्रशासनिक भवन, साक्षरता निकेतन परिसर में किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) एवं सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, विशेष कार्याधिकारी, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारी श्री अनिल कुमार तथां श्री राज किशोर राय द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया। इस कार्यक्रम में श्री सौरभ खरे, निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ, श्री सुधाकर मान सिंह, प्रशासनिक अधिकारी, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, श्री राम चन्द्र यादव, प्रभारी प्रशिक्षण तथा वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की प्रधानाचार्या एवं शिक्षकों सहित इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सभी कार्मिक उपस्थित हुए।

इस अवसर पर वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दी गई, जो काफी मनमोहक एवं सराहनीय रहीं।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के साहस और बलिदान से ही हमें यह आजादी प्राप्त हुई। इस आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए हमें अपने देश के प्रति सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं देशभक्ति की भावना से कार्य करना चाहिए। हम अपने गुरुजनों एवं महापुरुषों के आदर्शों पर चलकर ही अपने देश को विश्वगुरु बना सकते हैं।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारी श्री अनिल कुमार एवं श्री राज किशोर राय जी ने भी अपने सम्बोधन में देश प्रेम, आपसी एकता और सद्भाव को बनाए रखने की बात कही।

अन्त में सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करते हुए उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने उपस्थित जनों से राष्ट्र के विकास में अपना योगदान सुनिश्चित करने और देश प्रेम की भावना से कार्य करने का आवाहन किया। ☐☐☐

डॉ. वेल्दी हॉनसिंगर फिशर की 147वीं जयन्ती का भव्य आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर की 147वीं जयन्ती 18 सितम्बर, 2026 को धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पार्थ सारथी सेन शर्मा, अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता, श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.), अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं अध्यक्ष, यू.पी. रेरा द्वारा की गई। उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं डॉ. वेल्दी फिशर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

समारोह में वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के विद्यार्थियों द्वारा प्रार्थना गीत एवं संस्था का थीम सांग प्रस्तुत किया गया तथा अकादमी की कक्षा-12 की छात्रा सुश्री नन्दनी व कक्षा-10 की छात्रा सुश्री अरीवा खान ने डॉ. वेल्दी फिशर के जीवन एवं उनके द्वारा साक्षरता के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों पर विस्तार से क्रमशः हिन्दी व अंग्रेजी में प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि डॉ. पार्थ सारथी सेन शर्मा, अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग, उ.प्र. शासन एवं इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मा. अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) के द्वारा उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा वर्ष 2026 में इण्टरमीडिएट की परीक्षा में टॉपर रहीं छात्रा सुश्री शिखा वर्मा को ₹5,000.00 प्रतिमाह की दर से प्रथम छमाही के लिए ₹30,000.00 का चेक तथा स्मृति-चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। प्रदेश में हाईस्कूल की परीक्षा में संयुक्त रूप से टॉपर रही 02 छात्राओं क्रमशः सुश्री अंशिका वर्मा

तथा कशिश वर्मा को रुपया पन्द्रह-पन्द्रह सौ प्रतिमाह की दर से प्रथम छमाही के लिए दोनों को ₹9,000.00-₹9,000.00 का चेक तथा स्मृति-चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की हाईस्कूल परीक्षा की टॉपर छात्रा सुश्री उम्मे हबीबा को ₹3,000.00 प्रतिमाह की दर से प्रथम छमाही के लिए ₹18,000.00 का चेक तथा स्मृति-चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र 'डॉ. वेल्दी फिशर छात्रवृत्ति' के रूप में प्रदान किया गया। डॉ. वेल्दी फिशर छात्रवृत्ति इन छात्राओं को निरन्तर 02 वर्ष के लिए प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त अकादमी के नर्सरी से कक्षा-11 तक की कक्षाओं के कुल 41 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी प्रशस्ति-पत्र एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पार्थ सारथी सेन शर्मा, अपर मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के शैक्षिक योगदान की चर्चा करते हुए सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जीवन में सफलता हेतु शुभकामनाएँ दीं। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के मा. अध्यक्ष श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने अपने उद्बोधन में साक्षरता निकेतन के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं से डॉ. वेल्दी फिशर के जीवन, सिद्धान्त एवं आदर्शों से प्रेरणा लेने का आवाह्न किया।

इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. वेल्दी फिशर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की गयी।

कार्यक्रम में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सदस्य श्री गोपबन्धु पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.), डी.आई.ओ.एस. सीतापुर एवं बाराबंकी तथा बड़ी संख्या में सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों सहित, मीडिया कर्मियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इसके अतिरिक्त इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के श्री प्रवीन टण्डन, सलाहकार, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, विशेष कार्याधिकारी, श्री सुधाकर मान सिंह, प्रशासनिक अधिकारी, श्री राम चन्द्र यादव, प्रभारी प्रशिक्षण, डॉ. अर्चना सिंह, प्रधानाचार्या, वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी, श्री सौरभ कुमार खरे, निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के साथ ही इण्डिया लिटरेसी बोर्ड में कार्यरत समस्त इकाईयों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित हुए।

□□□

'उजाला' पत्रिका और स्व. कस्तूरचंद गुप्त

डॉ. सम्पूर्णानंद तत्कालीन मुख्यमंत्री के साथ डॉ. एच. वेल्दी फिशर उनके दाहिनी ओर श्री कस्तूरचन्द्र गुप्त तथा डॉ. राधाकमल मुखर्जी, उप कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं डॉ. श्रीमती कमला दत्ता (फोटो-1959)

कुर्सी पर बैठे हुए बाएं से तीसरे श्री कस्तूरचन्द्र गुप्त, श्री ई.सी. शॉ डॉ. वेल्दी एच. फिशर, श्री राम तेलंग एवं श्री अब्दुल रशीद सिद्दीकी (फोटो-1954)

डॉ. वेल्दी हॉनसिंगर फिशर ने 13 फरवरी, 1953 को प्रयागराज में साक्षरता निकेतन की स्थापना किया था। महात्मा गाँधी जी की प्रेरणा से स्थापित इस संस्था के माध्यम से डॉ. फिशर ग्रामीण क्षेत्रों में निरक्षरता उन्मूलन, सामूहिक विकास, प्रौढ़ साहित्य प्रकाशन आदि कार्य कर रही थीं। संयोग से एक दिन अमृत बाजार पत्रिका के सम्पादकीय कार्यालय में उनकी मुलाकात श्री कस्तूरचन्द्र गुप्त से हुई। श्रीमती फिशर गुप्त जी के कार्य और विचारों से काफी प्रभावित हुईं। उन्हें अपनी संस्था में कार्य के लिए आमंत्रित किया और साहित्य प्रकाशन का दायित्व सौंपा। डॉ. फिशर के परामर्श से गुप्त जी ने यहीं से 'उजाला' नामक पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया।

दिनांक 23 फरवरी, 1956 को लखनऊ में साक्षरता निकेतन के स्थानान्तरित होने के बाद इस नये परिसर में लेखकों के लिए विभिन्न भाषाओं में साक्षरता सम्बन्धी साहित्य लेखन शिविर श्री कस्तूरचन्द्र गुप्त की अध्यक्षता में आयोजित कराए गए। साक्षरता निकेतन के इन कार्यों की ओर संयुक्त राष्ट्र संघ के शिक्षा विभाग का ध्यान आकृष्ट हुआ। पेरिस स्थित अन्तर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा नव साक्षरों के लिए उपयोगी पत्र-पत्रिकाओं तथा सम्पादन विधियों पर प्रकाशित विवरण में साक्षरता निकेतन से प्रकाशित 'उजाला' के शोधमुखी सम्पादन विधियों को भी सम्मिलित किया गया।

'उजाला' पत्रिका के कार्यों की गूँज अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिष्ठित हुई। वर्ष 1969 में यूनेस्को ने श्री कस्तूरचन्द्र गुप्त को कार्यात्मक साक्षरता और पठनीय साहित्य विषयक एशियाई परियोजना सलाहकार का दायित्व दिया। इस दौरान गुप्त जी ने यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, पश्चिमी जर्मनी, स्विटजरलैण्ड, ईरान, इटली, वर्मा, थाईलैण्ड, जापान आदि देशों की शैक्षिक यात्राएँ कीं। इनमें से अनेक यात्राओं में डॉ. फिशर का भी साथ रहा।

साक्षरता निकेतन से अवकाश प्राप्त करने के बाद आपने मध्य प्रदेश भोपाल से एक बाल पत्रिका 'स्नेह' का प्रकाशन प्रारम्भ किया। यह प्रसन्नता का विषय है कि श्री मनमोहन गुप्त अपने पिता स्व. कस्तूरचन्द गुप्त द्वारा प्रारम्भ की गई बाल पत्रिका 'स्नेह' के प्रकाशन की निरन्तरता को बनाए हुए हैं।

महान पत्रकार, समाजसेवी श्री कस्तूरचंद गुप्त ने 09 अगस्त, 2002 को इस संसार से विदा लिया। उनके पुत्र श्री मनमोहन गुप्त ने अपने पिता की स्मृतियों को बखूबी संजोकर रखा है। उन्होंने साक्षरता निकेतन और इसकी संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के साथ जुड़ी यादों के कुछ फोटो तथा उनके व्यक्तित्व की परिचायक सामग्री को सहेज कर रखा और उसे निकेतन परिवार को प्रेषित किया है। साक्षरता निकेतन परिवार इस हेतु उनका हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता है। □□□

उत्साह अत्यन्त बलवान है। उत्साही मनुष्य के लिए जगत में कुछ भी दुर्लभ नहीं है।

कृषि प्रक्षेत्र बिजनौर एवं नीवां की गतिविधियाँ

बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र : वित्तीय वर्ष 2026-27 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र पर 9.71 हेक्टेयर (24 एकड़) क्षेत्रफल पर धान की रोपाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी क्रम में कृषि प्रक्षेत्र के 0.81 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना पेड़ी एवं 1.214 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना फसल का उत्पादन लिया जा रहा है। बलरामपुर चीनी मिल्स की हैदरगढ़ इकाई एवं सहकारी गन्ना समिति, ऐशबाग के प्रतिनिधियों द्वारा समय-समय पर गन्ना फसल का भौतिक निरीक्षण किया गया है।

माह जुलाई में प्राणि उद्यान को 52 कुन्तल चरी की आपूर्ति की गयी है, जिससे ₹33,176.00 की धनराशि प्राप्त हुई और जामुन के फलों की बिक्री से प्राप्त ₹3,300.00 तथा पेड़ों की कटाई-छंटाई से प्राप्त जलौनी लकड़ी की बिक्री से प्राप्त ₹22,000.00 की धनराशि संस्था के केन्द्रीय लेखा अनुभाग में जमा कराई जा चुकी है।

वृक्षारोपण: वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र पर हुए 69 यूकेलिप्टस के वृक्षों के सापेक्ष 10 गुना (690 पौधों) का वृक्षारोपण का कार्य कराया जाना था। उक्त के क्रम में वित्तीय वर्ष 2026-27 में 350 शीशम एवं 140 सागौन के पौधों के वृक्षारोपण का कार्य कराया गया है। शेष 200 पौधों का वृक्षारोपण का कार्य नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर कराया गया है।

सिंचाई नाली: बिजनौर कृषि प्रक्षेत्र के रिंग रोड पार फसलों की सिंचाई हेतु सिंचाई नाली की व्यवस्था नहीं थी। वित्तीय वर्ष 2026-27 में रिंग रोड स्थित 7.28 हेक्टेयर (18 एकड़) क्षेत्रफल पर बुवाई की जाने वाली फसलों की सिंचाई को दृष्टिगत रखते हुए अण्डर ग्राउण्ड सिंचाई नाली का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो लगभग पूर्णता की स्थिति में है।

नीवां कृषि प्रक्षेत्र : वित्तीय वर्ष 2026-2027 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार नीवां कृषि प्रक्षेत्र के 14 एकड़ क्षेत्रफल पर धान की रोपाई का कार्य पूर्ण कर समय से खाद, उर्वरक, रसायन आदि का छिड़काव कराया गया है। समय-समय पर फसल का निरीक्षण भी किया जा रहा है। इसी प्रकार धान एवं चरी पर भी कार्ययोजना के अनुसार कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

माह जुलाई-अगस्त तक नीवां कृषि प्रक्षेत्र से कुल 754 कुन्तल चरी की आपूर्ति ₹638.00 प्रति कुन्तल की दर से प्राणि उद्यान को की गई थी। माह अगस्त, 2026 से चारे के मूल्य में 10 प्रतिशत की स्वीकृति वृद्धि के बाद ₹701.80 प्रति कुन्तल की नई दर से चारे की आपूर्ति की जा रही है।

नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर 0.81 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना पेड़ी एवं 0.40 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना फसल का उत्पादन लिया जा रहा है। कृषि प्रक्षेत्र पर शरदकालीन ऋतु में 2.02 हेक्टेयर (05 एकड़) क्षेत्रफल में नई गन्ना फसल की बुवाई का कार्य बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड की हैदरगढ़ इकाई के प्रतिनिधि के दिशा-निर्देश में कराया जाएगा।

वृक्षारोपण: नीवां कृषि प्रक्षेत्र पर 150 शीशम एवं 50 सागौन के पौधों के वृक्षारोपण का कार्य कराया गया है। पौधों की निराई-गुड़ाई, खाद, उर्वरक, रसायन डालने का कार्य समय-समय पर किया जा रहा है। इसके साथ ही नीवां प्रक्षेत्र पर वित्तीय वर्ष 2026-27 में गन्ना पेड़ी से खाली हुए प्लाटों एवं कृषि प्रक्षेत्र के मुख्य कैम्पस एवं डेयरी शेड के पास पड़ी अकृषक भूमि पर मक्का, उर्द, चना, मूँगफली आदि की प्रायोगिक तौर पर खेती की गई जिसकी बिक्री से प्राप्त धनराशि संस्था के केन्द्रीय लेखा अनुभाग में जमा कराई जा चुकी है।

भू-सम्पदा (रेरा) के अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम

रियल एस्टेट, विनियामन और विकास अधिनियम, जिसे हम रेरा के नाम से भी जानते हैं, को रियल एस्टेट सेक्टर में दक्षता, पारदर्शिता व मकान खरीददारों के हितों की रक्षा के लिए वर्ष 2017 से लागू किया गया। प्रापर्टी सम्बन्धी प्रकरण में ग्राहकों को जालसाजों और धोखाधड़ी से बचाने के लिए रेरा अभिकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण और प्रमाण-पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। आई.एल.बी. तथा उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के मध्य हुई सहमति के आधार पर साक्षरता निकेतन परिसर में वर्ष 2024 से भू-सम्पदा (रेरा) अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

इसी क्रम में भू-सम्पदा अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम साक्षरता निकेतन परिसर में दिनांक 08-11 एवं 22-25 जुलाई, 2026 तक क्रमशः 51 व 43, दिनांक 19-22 अगस्त, 2026 तक 55, दिनांक 09-12 एवं 23-26 सितम्बर, 2026 तक क्रमशः 47 व 50 कुल 246 अभिकर्ताओं को विषय विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। ▫▫▫

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	न्यायमूर्ति श्री एस.यू. खान (से.नि.)	सदस्य
4.	श्री सुभाष कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
5.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
6.	श्री संजीव चोपड़ा, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानु प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	प्रोफेसर जे.वी. वैशम्पायन, शिक्षाविद्	सदस्य
9.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
10.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
11.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
13.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
14.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
15.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
16.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
17.	श्री राजेन्द्र सिंह रावत, लेखाकार-कम-कैशियर	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
18.	श्री रमेश चन्द्र यादव, प्रभारी परिसर/स्टोर कीपर	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी की गतिविधियाँ

योग शिक्षा का आरम्भ : वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स एकादमी में विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जुलाई 2026 से कक्षा 7 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक बुधवार और शनिवार को प्रातःकालीन योग शिक्षा आरम्भ की गई।

काव्य पाठ एवं निबन्ध प्रतियोगिता : विद्यालय में कक्षा-1 से 5 तक के विद्यार्थियों में शब्दों के उच्चारण, स्पष्टता तथा आत्मविश्वास में वृद्धि की दृष्टि से हिन्दी व अंग्रेजी में काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी क्रम में दिनांक 20 जुलाई, 2026 छात्र-छात्राओं के लिए तीन दिवसीय निबन्ध प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। प्रतिभागियों ने विविध विषयों पर तर्कसंगत दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए निबन्ध लिखे। कनिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कु. राशि गुप्ता कक्षा-8, द्वितीय स्थान पर कु. अलशिका तथा कक्षा-7 की कु. आराधना यादव तृतीय स्थान पर रहीं। वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान पर कु. अनन्या सिंह कक्षा-9, कु. खुशबू, कक्षा-12 द्वितीय स्थान तथा कु. अलीना कक्षा-10 तृतीय स्थान पर रहीं।

कर्सिव लेखन प्रतियोगिता : का आयोजन 15 जुलाई 2026 को किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य साफ-सुथरी लिखावट एवं छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। प्रत्येक प्रतिमागी ने दिए गए पत्रक पर निर्धारित समय के भीतर कर्सिव लेखन किया। इसमें कु. शानवी श्रीवास्तव कक्षा-4 ने प्रथम, सानिध्य कक्षा-5 ने द्वितीय तथा ऋतिका पाल कक्षा-3 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समारोहों में सहभागिता : अकादमी के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन परिसर में आयोजित 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में उल्लासपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। आयोजन मे अध्यक्ष इण्डिया लिटरेसी बोर्ड श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने अकादमी के हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट के टापर छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान कर महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

साक्षरता निकेतन की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर की 147वीं जयन्ती आयोजन में भी अकादमी के छात्रों एवं शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर छात्रों ने प्रार्थना गीत, संस्था का थीम सांग तथा डॉ. फिशर के व्यक्तित्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। अकादमी के मेघावी छात्रों एवं उत्कृष्ट शिक्षकों को पुरस्कृत भी किया गया।

विद्यार्थियों में देश की गौरवशाली विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उददेश्य से सिटी मान्टेसरी स्कूल, लखनऊ की गोमती नगर, विशाल खंड-2, शाखा में अकादमी के चार छात्र-छात्राओं ने दिनांक 24 अगस्त 2026 को आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। □□□

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-71, अंक : 03
जुलाई-सितम्बर, 2026

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की गतिविधियाँ

राज्य संसाधन केन्द्र हेतु स्वीकृति वार्षिक कार्ययोजना 2026-27 के क्रम में जिला-मिर्जापुर के विकास खण्ड-हलिया की न्याय पंचायत-मतवार की इक्कीस ग्राम पंचायतों, जिला- बहराइच के विकास खण्ड-जरवल की न्याय पंचायत-अठ्ठैसा की पांच ग्राम पंचायतों एवं विकासखण्ड कैसरगंज की न्याय पंचायत- उढ़ैला की पांच तथा जिला-बलरामपुर के विकास खण्ड-बलरामपुर की न्याय पंचायत-धर्मनगर की ग्यारह ग्राम पंचायतों तथा अमरहवां की ग्यारह ग्राम पंचायतों में कार्यात्मक साक्षरता केन्द्रों के संचालन हेतु जिलों का भ्रमण कर प्रेरकों एवं न्याय पंचायत समन्वयकों का विधिवत चयन कर 60 कार्यात्मक साक्षरता केन्द्रों के माध्यम से 1200 असाक्षरों को साक्षर किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

चयनित नवनियुक्त प्रेरकों एवं न्याय पंचायत समन्वयकों का एक-एक दिवसीय प्रशिक्षण क्रमशः जनपद मिर्जापुर के आर्थिक अनुसंधान केन्द्र, देवरी नदी तीर, हलिया में दिनांक 26.08.2026 को, जनपद बहराइच के खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सभागार में दिनांक 02.09.2026 को तथा जनपद बलरामपुर के खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सभागार में दिनांक 03.09.2026 को केन्द्र संचालन की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों में पढ़ने, लिखने और गणना करने की क्षमता में वृद्धि करने, साक्षरता के मानकों तथा साक्षरता के उपरान्त मूल्यांकन प्रक्रिया के विषय में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण के समापन सत्र में प्रशासनिक अधिकारी श्री सुधाकर मान सिंह ने सभी प्रशिक्षणार्थियों प्रशिक्षण के सम्बन्ध में फीडबैक लिया। प्रशिक्षणोंपरांत सभी प्रेरकों को लाभार्थियों हेतु पठन-पाठन सामग्री वितरित की गई।

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह : अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन 08 सितम्बर, 2026 को राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. तथा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड साक्षरता निकेतन, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में कानपुर रोड स्थित साक्षरता निकेतन परिसर में किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ किया गया।

मुख्य अतिथि श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.), अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड एवं राज्य संसाधन केन्द्र द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र द्वारा जनपद मीरजापुर, बहराइच तथा बलरामपुर में संचालित किए जाने वाले कुल 60 साक्षरता केन्द्रों का आनलाइन उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राज्य संसाधन केन्द्र के प्रशासनिक अधिकारी ने विगत पांच वर्षों में किए गए कार्यों से अवगत कराते हुए बताया कि वर्तमान सत्र में साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत तीन जनपदों- मीरजापुर, बहराइच एवं बलरामपुर में 60 केन्द्रों के माध्यम से 1200 लाभार्थियों को साक्षर किया जाना लक्षित है। अन्त में उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम संपन्न किया गया।

इसके साथ ही इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन परिसर में आयोजित 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह तथा डॉ. वेल्दी फिशर की 147वीं जयन्ती समारोह में भी राज्य संसाधन केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

प्रशिक्षण की प्रगति : जन शिक्षण संस्थान कानपुर को वित्तीय वर्ष 2026-2027 की प्रथम छमाही हेतु 45 बैचों के सापेक्ष 900 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किए जाने की स्वीकृति मंत्रालय से प्राप्त हुई थी। संस्थान ने सभी बैच निर्धारित अवधि में संचालित कर लिए। इसके अतिरिक्त मातृ संस्था इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सहयोग से टैली एण्ड एकाउन्टिंग का एक बैच तथा पीएम विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत चर्मकार प्रशिक्षण का एक बैच संचालित किया गया। संस्थान के माध्यम से स्वरोजगार हेतु 14 प्रतिभागियों ने लोन हेतु आवेदन किया था जिसमें से 06 प्रतिभागियों के लोन स्वीकृत हुए।

क्राफ्ट वर्कशाप एवं प्रमाण-पत्र वितरण : संस्थान द्वारा दिनांक 01 जुलाई से 03 जुलाई, 2026 तक पिडिलाइट इण्डस्ट्रीज के सहयोग से पेटिंग प्रशिक्षण तथा दिनांक 15 जुलाई, 2026 को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

तीन दिवसीय टीओटी कार्यक्रमः दिनांक 22 से 24 जुलाई, 2026 तक तीन दिवसीय टी.ओ.टी. कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के कार्यालय परिसर में हुआ। दत्तोपंत ठेगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के शिक्षा अधिकारी श्री कोमल सिंह ठाकुर द्वारा टाइम मैनेजमेंट, कैरियर काउंसलिंग, आदि विषयों में प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गयी।

प्रमाण पत्र एवं टूलकिट वितरण कार्यक्रमः संस्थान द्वारा हेल्पर-इलेक्ट्रिकल टेक्नीशियन का प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में कौशल प्रमाण पत्र एवं टूलकिट का वितरण किया गया।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन : संस्थान के कार्यालय परिसर में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक द्वारा तिरंगा फहराया गया। उक्त अवसर पर निदेशक महोदय ने 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष' पूरे होने की शुभकामनाएँ दीं और उपस्थित कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय गान गाया।

विश्वकर्मा पूजा का आयोजनः संस्थान के कार्यालय परिसर में दिनांक 17 सितम्बर, 2026 को भगवान विश्वकर्मा जी जयन्ती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फ्रैंकलीन म्यूचुअल फण्ड के निदेशक श्री सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने लाभार्थियों को बैंक द्वारा ई-केवाईसी, डिजिटल लेन-देन और निवेश सम्बन्धी जानकारी प्रदान की।

संस्थापिका के जन्म दिवस पर आयोजनः साक्षरता निकेतन, लखनऊ की संस्थापिका डॉ. वेल्दी होंसिंगर फिशर के 147वें जन्म दिवस दिनांक 18 सितम्बर, 2026 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं टूल-किट वितरित किए गए।

स्वच्छता ही सेवा-2026 : इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने समाज को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में हर वर्ग की भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता की शपथ ली। ☐☐☐

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

प्रशिक्षण की प्रगति : जन शिक्षण संस्थान लखनऊ को वित्तीय वर्ष 2026-2027 की प्रथम छमाही हेतु कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार से 45 बैचों में प्रति बैच 20 लाभार्थी के क्रम में कुल 900 लाभार्थियों को प्रशिक्षित किए जाने की स्वीकृति प्राप्त हुई थी। संस्थान द्वारा सभी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र निर्धारित अवधि में संचालित कर लिए।

क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम : जन शिक्षण संस्थान लखनऊ (सा.नि.), द्वारा दिनांक 07.07.2026 एवं 08.07.2026 को संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षकों के ज्ञान, कौशल, नेतृत्व क्षमता तथा कार्यकुशलता का विकास कर कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और अधिक सदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्व जन संख्या दिवस : संस्थान द्वारा संचालित जनपद के

समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों पर विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या की इस भयावह स्थिति से विश्व के सभी देश प्रभावित हैं।

विश्व युवा कौशल दिवस : विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई, 2026 के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के मुख्यालय सहित संचालित समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों पर अनेक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस आयोजन : जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ द्वारा 15 अगस्त, 2026 को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्थान द्वारा संचालित जनपद के समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों पर भी ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए।

आर्टिसन कार्ड शिविर आयोजित : संस्थान द्वारा दिनांक 02 सितम्बर, 2026 को प्रतिभागियों को वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के उपनिदेशक श्री रजा आलम द्वारा आर्टीजन कार्ड्स की उपयोगिता तथा वस्त्र मंत्रालय द्वारा संचालित योजनाओं की आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

हिन्दी दिवस का आयोजन : संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे के निर्देशन में संस्थान परिसर के साथ ही जनपद में संचालित समस्त प्रशिक्षण केन्द्रों पर हिन्दी में समस्त कार्य करने का संकल्प लिया। ❑❑❑

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

हरेला पर्व पौधारोपण : संस्थान द्वारा दिनांक 16.07.2026 को हरज्ञान चन्द सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर में 'पौधारोपण के महत्व' पर एक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष श्री ईश्वर चन्द अग्रवाल, प्रधानाचार्य श्री महेश चन्द गुप्ता, विभाग व्यवस्था प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ श्री सम्पूर्णानन्द थपलियाल जी, संस्थान के निदेशक, कार्यकर्ता, संदर्भदाता एवं प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

स्वच्छता ही सेवा विशेष अभियान : 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' पूरे देश में मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिन के अवसर पर 17 सितम्बर से प्रारम्भ हुआ।

इस क्रम में क्रमशः एस. बी. मदर्सडेल स्कूल, धूलकोट माफी, दौड़वाला, मोथरोवाला, गांधी ग्राम, कांवली आदि के साथ ही संस्थान के कार्यालय परिसर में अभियान के अन्तर्गत जन- जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्वच्छता कार्यक्रमों के माध्यम से जन शिक्षण संस्थान द्वारा लोगों को कचरा प्रबन्धन, पर्यावरण सुरक्षा, पौधारोपण, डस्टबिन का प्रयोग, सूखे व गीले कूड़े को पृथक करना, खुले में शौच मुक्ति की स्थिति को बनाए रखना, सिंगल यूज पॉलिथीन का प्रयोग न करना तथा गन्दगी के कारण पनपने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया।

विश्व युवा कौशल दिवस : जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन ऑद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) भानियावाला, डोईवाला में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सीमा डुंगराकोटी, सचिव/सिविल जज (वरिष्ठ प्रभाग) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून ने युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल के साथ तेजी से बदलते वैश्विक कार्यक्षेत्रों के लिर बेहतर ढंग से तैयार रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर आई टी आई संस्थान के प्रबन्धक श्री ईशांस कोठारी, समाज सेविका श्रीमती सीमा कटारिया सहित स्थानीय युवाओं ने भी प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण की प्रगति : जन शिक्षण संस्थान देहरादून ने कौशल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 45 बैचों के सापेक्ष सभी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र निर्धारित अवधि में संचालित कर लिए हैं। ❑❑❑

साइबर क्राइम : स्कैम से कैसे बचें ?

आज का समय सूचना प्रौद्योगिकी का समय है। कम्प्यूटर, इन्टरनेट और स्मार्टफोन के माध्यम से कुछ ही सेकेंड में विश्व के किसी भी स्थान पर संदेश भेजा जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों, ग्राम पंचायतों और सरकारी विभागों को डिजिटल सुविधाओं से इसलिए जोड़ा गया कि काम में परदर्शिता आए और नागरिकों को विभागों के चक्कर न काटना पड़े।

इन्टरनेट के प्रयोग से जहाँ सुविधाएँ हैं वहीं साइबर अपराध भी बढ़े हैं। साइबर अपराधी बैंक, इंश्योरेन्स, सरकारी विभाग अथवा पुलिस के रूप में मेसेज, फोन आदि के माध्यम से व्यक्ति की गोपनीय जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। इन लोगों के द्वारा भेजे जाने वाले संदेश अथवा ई-मेल हूबहू सरकारी विभाग के मेल की तरह ही होते हैं। इन संदेशों के माध्यम से व्यक्ति को खाता बन्द करने, पुलिस कार्यवाई करने आदि का डर दिखाकर उसकी जानकारी मालूम करने की कोशिश की जाती है।

ऐसे फर्जी संदेशों में एक नकली लिंक भी दिया होता है। इस लिंक पर क्लिक करते ही सम्बन्धित व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी हैकरों अर्थात धोखेबाज साइबर अपराधियों तक पहुँच जाती है और वे बैंक खाते से रकम उड़ाने, फाइलों का डाटा डिलीट करने अथवा फिरौती की रकम वसूलने आदि के कारनामे कर गुजरते हैं। इस प्रकार के साइबर क्राइम व्यक्तियों, संगठनों, बड़ी-बड़ी कम्पनियों यहाँ तक कि देश की अर्थव्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव तो डालते ही हैं साथ ही इससे व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक प्रतिष्ठा पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है।

साइबर अपराधी अत्यन्त लुभावने और झूठे विज्ञापन डालकर ठगी को अंजाम देते हैं। सरकार ने इस प्रकार की धोखाधड़ी का सामना करने के लिए आईटी कानून और विशेष साइबर सुरक्षा यूनिट्स का गठन किया है। साइबर अपराध एवं धोखाधड़ी से बचने के लिए जागरुकता बहुत जरूरी है। हम सभी को संदेहास्पद ई-मेल अथवा संदेशों से सावधान रहना चाहिए।

सोशल मीडिया पर जरूरत भर जानकारी ही शेयर करना चाहिए। स्कूलों में भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता सम्बन्धी जानकारी छात्रों को दी जानी चाहिए। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों को अजनबियों से चैटिंग करने, आनलाइन पर्सनल जानकारी शेयर करने तथा सोशल मीडिया पर अनावश्यक फोटो मोबाइल नम्बर आदि शेयर करने से बचने के लिए जागरूक करें। सरकार, पुलिस प्रशासन, बैंक तथा साइबर

सेल के अधिकारीगण समय-समय जन-जागरुकता के लिए मेसेज करते हैं और अजनबी काल या मेसेज को नजरअन्दाज करने के लिए सजग करते रहते हैं। तकनीकी ज्ञान और समझदारी से हम इन अपराधों को काफी हद तक कम कर सकते हैं और सुरक्षित डिजिटल समाज की स्थापना कर सकते हैं।

साइबर क्राइम – कैसे करें रिपोर्ट :

- साइबर क्राइम की रिपोर्ट करने के लिए 'नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल' अथवा हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर काल कर अपनी रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। घटना के विवरण का उल्लेख करें।
- नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर सेल में व्यक्तिगत रूप से जाकर भी अपना शिकायती पत्र दे सकते हैं। शिकायत दर्ज होने पर चौदह अंकों का एक यूनिक नम्बर मिलेगा जो आगे की कार्यवाई के लिए आवश्यक होता है। सेल के अधिकारी शिकायत की पुष्टि के लिए आपसे सम्पर्क कर सकते हैं।
- बैंक धोखाधड़ी के मामलों में घटना के 24 से 48 घंटे के भीतर शिकायत प्राप्त होने पर साइबर सेल के अधिकारियों को आपके बैंक खाते को होल्ड करने में मदद मिलती है। गम्भीर मामलों में जाँच के बाद एफआईआर और औपचारिक कानूनी कार्यवाई करते हुए अपराधी को गिरफ्तार करने की प्रक्रिया अपनाई जाती है।
- यदि आपके पास कोई संदेहास्पद काल आए और काल रिसीव करने के बाद आपको वह काल संदिग्ध लगे तो फोन काट दें। स्कैम/धोखाधड़ी की जानकारी अपने परिवार एवं मित्रों के साथ भी साझा करें। आप द्वारा दी गई जानकारी किसी को धोखाधड़ी से बचाने में सहायक हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर उजाला- ई न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव